Lesson plan

**वर्ष : 2021-2022**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर**2020**)**

**पाठ्यक्रम : बी.ए.हिंदी (विशेष )**

**सत्र : 5**

**पेपर : अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य**

**शिक्षक : डॉ. राजीव रंजन निराला**

**पाठ्यक्रम**

इकाई 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

1. दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन फूले और अंबेडकर

2. स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय

रेडिकल, मार्क्सवादी, उदारवादी आदि यौनिकता,लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

3. आदिवासी विमर्श :अवधारणा और आन्दोलन, जल जंगल ज़मीन और पहचान का सवाल

इकाई 2: विमर्श मूलक कथा साहित्य:

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम

2. हरीराम मीणा- धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167

3. नासिरा शर्मा-खुदा की वापसी

इकाई 3: विमर्शमूलक कविता:

(1) दलित कविता: अछूतानंद ( दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह ( कितनी व्यथा), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(2) स्त्री कविता: कीर्ति चौधरी (सीमा रेखा) , कात्यायनी (साथ भाइयों के बीच चम्पा), सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ ?)

इकाई-4 :विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1.प्रभा खेतान,वरिष्ठ 28-42 :अन्या से अनन्या तक

2.तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ,प्रष्ठ संख्या 125 से 135)

3.महादेवी वर्मा: स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

**पाठ्यक्रम विवरण :**

भारतीय समाज में स्थित विभिन्न अस्मिताओं की जानकारी प्राप्त होगी। व्यक्ति और समाज के संबंधों के बारे उचित ज्ञान प्राप्त होगा।स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श की सैद्धांतिक समझ बढ़ेगी।इन विमर्शों के प्रति संवेदनशीलता में विस्तार होगा। सजगता एवं जागरूकता बढ़ेगी।इन अस्मिताओं पर आधारित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से व्यावहारिक समझ का विकास होगा।उनका संवेदनात्मकविश्लेषण जीवन व्यवहार में उपयोगी रहेगा।

**शिक्षण समय  : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : विश्वविद्यालय  द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज की समय-सारणी के अनुरूप कक्षाएं आयोजित की जाएंगी|  विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक  ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ अतिरिक्त पठन सामग्री भी प्रदान की जाएगी ।**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | विमर्शों की सैद्धांतिकी |
| सप्ताह 2 | दलित विमर्श |
| सप्ताह 3 | स्त्री विमर्श |
| सप्ताह 4 | आदिवासी विमर्श |
| सप्ताह 5 | सामूहिक चर्चा एवं प्रथम असाइनमेंट |
| सप्ताह 6 | **सलाम कहानी** |
| सप्ताह 7 | धूणी तपे तीर |
| सप्ताह 8 | खुदा की वापसी कहानी |
| सप्ताह 9 | निबंध-स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य के प्रश्न |
| सप्ताह 10 | दलित कविताएँ-दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे, कितनी व्यथा ,सोनवा का पिंजरा |
| सप्ताह 11 | स्त्री कविताएँ -सीमा रेखा, सात भाइयों के बीच चम्पा,मैं किसकी औरत हूँ |
| सप्ताह 12 | आत्मकथा - अन्या से अनन्या तक |
| सप्ताह 13 | आत्मकथा- मुर्दहिया , द्वितीय असाइनमेंट |
| सप्ताह 14 | सामूहिक चर्चा |
|  |  |
|  |  |

सम्बंधित पुस्तकें :

1.सिमोन द बोउवा-स्त्री उपेक्षिता

2.स्त्री अस्मिता,साहित्य और विचारधारा-सुधा सिंह

3.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

4.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -शरण कुमार लिंबाले

5.नारीवादी राजनीति-जिनी निवेदिता

6.आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

**अकादमिक सत्र : 2020-21**

**पाठ्यक्रम रूपरेखा : (नवंबर 2021 –मार्च** 2022**)**

**पाठ्यक्रम :** बी. कॉम प्रोग्राम

**सत्र/सेमेस्टर :** 1

**पेपर/प्रश्न पत्र :** आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी भाषा और साहित्य , हिंदी ख

**शिक्षक :** डॉ. राजीव रंजन निराला

**पाठ्यक्रम :**

इकाई 1 : हिंदी भाषा और साहित्य

1. आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
2. हिंदी भाषा का विकास
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल ,मध्य काल)
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई 2 :

कबीर – कबीर ग्रंथावली संपा श्यामसुन्दर दास,काशी नागरी प्रचारिणी सभा उन्नीसवां संस्करण 2054

* पोथी पढि पढि जग मुआ...
* कस्तूरी कुंडली बसै...
* यह तन विष की बेलरी,गुरु अमृत की खान...
* सात समुन्दर की मसि करूँ...
* साधू ऐसा चाहिए ...
* सतगुरु हमसु रीझकर ...

1. तुलसीदास : ‘रामचरितमानस’ से केवट प्रसंग

इकाई 3 : रीतिकालीन कविता

1. बिहारी

* बतरस लालच लाल की...
* या अनुरागी चित्त की...
* सटपटति-सी ससिमुखी...

1. भूषण :

* इंद्र जिमि जंभ पर ...
* साजि चतुरंग सैन...

इकाई 4 : आधुनिक कविता

* जय शंकर प्रसाद –अरुण यह मधुमय देश हमारा
* हरिवंश राय बच्चन – अग्निपथ

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिंदी भाषा और सहित्य की सामान्य जानकारी हासिल करके सहित्य और उसकी सामाजिक उपयोगिता पर विचार कर सकेंगे। कविता के माध्यम से साहित्य की समझ और संवेदना को समझ कर मनुष्य के लिए उसकी जरूरत और एक समाज में संवेदना के अलग अलग आयामों का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेंगे। |

**शिक्षण समय :** 16 सप्ताह (लगभग )

**कक्षाएं :**विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी | मेरे पास 3 क्लास है 2 क्लास दूसरे शिक्षक पढाएंगे | विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और सहायक ग्रंथों की प्रमाणिक जानकारी देने के साथ-साथ विषय से सम्बंधित भारतीय साहित्य की और दूसरी रचनाओं को भी समझने की लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा |

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | 1. हिंदी साहित्य का इतिहास : एक परिचय |
| सप्ताह 2 | हिंदी साहित्य का इतिहास : परिचय (आदिकाल परिचय |
| सप्ताह 3 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय ,मध्य काल) |
| सप्ताह 4 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय ,मध्य काल) |
| सप्ताह 5 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल) |
| सप्ताह 6 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल) |
| सप्ताह 7 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल) |
| सप्ताह 8 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल) |
| सप्ताह 9 | * हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल) |
| सप्ताह 10 | 1. बिहारी  * बतरस लालच लाल की... * या अनुरागी चित्त की... * सटपटति-सी ससिमुखी... |
| सप्ताह 11 | - भूषण :   * इंद्र जिमि जंभ पर ... * साजि चतुरंग सैन... |
| सप्ताह 12 | आधुनिक हिंदी कविता : पृष्ठभूमि |
| सप्ताह 13 | * आधुनिक हिंदी कविता जयशंकर प्रसाद –अरुण यह मधुमय देश हमारा |
| सप्ताह 14 | * हरिवंश राय बच्चन – अग्निपथ |
| सप्ताह 15 | पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन |
| सप्ताह 16 | पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन |

सम्बंधित पुस्तकें :

* हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास –विश्वनाथ त्रिपाठी
* हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
* आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
* भूषण – राजमल बोरा
* बिहारी :एक मूल्याङ्कन –हरचरण शर्मा

नोट – प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा |